PASS ANNUAL REPORT

(Parvatiya Aranya Sewa Evam Vikas Sansthan)

Police Line Road, Pithoragarh, 262501

Uttarakhand, India

Year 2019-2020

वार्षिक प्रगति विवरण

पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान

पुलिस लाईन रोड, पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड, भारत)

Introduction

Parvatiya Aranya Sewa Evam Vikas Sansthan (PASS) was established in November 1997 with a firm resolution to work for the development of the rural community through organizing community centered activities. The objective of the organization is to work for the conservation and promotion of the environment to bring systematic social change in the community. The current operational areas of the organization are States Pithoragarh, Champavat, Almora and Bageshwar. Other than the above, the organization is putting efforts to gradually develop its operational areas. PASS is working in coordination with the government on various issues relating to the development and betterment of the community through conducting seminars, workshops, conferences, and meetings to help bring the social concerns into light.

After the registration of the organization and obtaining financial help of various government and nongovernmental organizations, and completing all the necessary formalities an administrative structure came into being. After which various programs started for the community.

परिचय

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, ग्रामीण समुदाय के विकास और जन केंद्रित नियोजन की विविध गतिविधियों के माध्यम से व्यववस्थागत परिवर्तन/समाज परिवर्तन के मूल उद्देश्य को समाहित करते हुए एक दृढ़ निश्चय के साथ ''पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान'' की स्थापना नवम्बर 1997 में की गयी। वर्तमान में संस्था के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़, जनपद चम्पावत, जनपद अल्मोड़ा तथा जनपद बागेश्वर सम्मिलित हैं। उक्त के अतिरिक्त संस्था अपने कार्यक्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि करने हेतु प्रयासरत् है। वर्तमान तक विकास और समाज परिवर्तन से जुड़े विविध मुद्दों पर सरकार के साथ सहभागिता की, तथा अनेकानेक सेमिनारों, कार्यशालाओं, गोष्ठियों, सभाओं आदि के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को आगे लाने का प्रयास किया गया है।

संस्था के पंजीकरण के उपरान्त विभिन्न सरकारी और गैर–सरकारी वित्तीय संगठनों से आवश्यकतानुसार वित्तीय सहयोग लेने के उपरान्त आवश्यक औपचारिकताएं तथा आवश्यक प्रशासनिक ढांचा भी संस्था में बनता चला गया और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम भी संचालित होने लगे।

Objectives of the organization

1. To conduct activities to improve the productivity of barren land, fallow land, etc. as well as to conserve the environment.
2. To develop the community and spread awareness among the community regarding education, environment, health, children's education as well as unconventional education.
3. To organize the community for people centered planning and development. To develop a model for development by providing training to the community.
4. To organize awareness program on women empowerment, education, and training.
5. To conduct programs and to motivate and educate the community on watershed management, resource management, drinking water supply, irrigation, alternative energy, animal welfare, agricultural development, and agribusiness
6. To publish, edit, compile, and distribute literature for the promotion of programs related to education, cultural development as well as the development of the community.
7. To conduct income generating programs and to train rural and women groups on the same. To manage marketing for them.
8. To develop economic measures for the infrastructural development of the organization, to conduct programs on self reliance and to conduct awareness generating programs.
9. To conduct programs for the development of the environment, tourism and culture.
10. To work on issues and concerns related to the community, and individual health.

संस्था का उद्देश्य

1. ऊसर भूमि, परती भूमि आदि का सुधार कर उत्पादकता बढ़ाने व पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों का संचालन करना।
2. समुदाय संगठन, समुदाय विकास एवं शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, बाल शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा एवं जन जागरण।
3. जन केन्द्रित नियोजन एवं विकास के लिये समुदाय को संगठित करना, प्रशिक्षित करना एवं विकास का प्रदर्शन माडल विकसित करना।
4. महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, प्रशिक्षण, संगठन एवं जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन करना।
5. जलागम प्रबन्धन, संसाधन प्रबन्धन, पेयजल आपूर्ति, सिंचाई, वैकल्पिक ऊर्जा, पशु कल्याण, कृषि विकास, बागवानी विकास एवं कृषि व्यापार के कार्यक्रमों का संचालन करना एवं समुदाय को इसकी शिक्षा व प्रेरणा देना।
6. शिक्षा, संस्कृति विकास एवं समुदाय विकास के कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार हेतु संबंधित साहित्य का प्रकाशन, सम्पादन, संकलन कर उसे वितरित करना।
7. ग्रामीण संगठनों, महिला संगठनों आदि के लिये आयवर्धन कार्यक्रमों का संचालन करना इसके लिये प्रशिक्षण देना तथा विपणन आदि का प्रबन्धन करना।
8. संस्था के ढांचागत विकास हेतु आर्थिक उपाय करना, आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम संचालन करना तथा जागरूकता के कार्यक्रम संचालित करना।
9. पर्यावरण, पर्यटन व संस्कृति के विकास हेतु कार्यक्रमों का संचालन करना।
10. सामुदायिक एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं एवं मुद्दों पर कार्य करना।

वित्तीय विवरण वर्ष : 2019–20

Financial Statement year 2019-2020

1. Balance Sheet –

Sl.No.	Liabilities	2019-20	Assets	2019-20
1	Over Expenditure	233090.39	Fixed Assets	135339.00
2	Unsecured Loan	12771.00	Current Assets	29846.00
3			Cash and bank balance	80676.39
	Total	**245861.39**		**245861.39**

2. Income & Expenditure –

Sl.No.	Income	Amount	Expenditure	Amount
1	By Grant-in-Aid	6307674.00	Society Main	112892.20
2	By Bank Interest	23355.00	USACS (TI Project)	1753310.00
3	By Membership fee	2250.00	Equine Welfare Program	3144028.35
4	By Donation Receipts	71000.00	Hans Jaldhara_Garur & Kapkote Project	285195.45
5	By Excess of Expenditure	273345.96	Hans Jaldhara Bageshwar_DPR Project	1166356.96
			Solid Liquid Waste Management Programme	186680.00
			To Deprecition Charges	29162.00
	Total	**6677624.96**		**6677624.96**

Banking Detail		
(i) A/C No. 32830100000101 Bank of Baroda Pithoragarh(NGO main account)		(ii) A/C No. 689510110000405 Bank of India Pithoragarh(Account for FCRA)
(iii) A/C No. 32830100000383 Bank of Baroda Pithoragarh(Account for TI Programe)		(iv) A/C No. 30391848428 SBI - Pithoragarh (Account for FCC)
(v) A/C No. 3283010005351 Bank of Baroda Pithoragarh(Account for SLWM Programe)		(vi) A/C No. 4444381785 Uttarakhand Gramin Bank Bageshwar Pithoragarh(Account for TSC Programe)
Organisation Registration Detail	:	Registration No. 557/1997-98 (Under Society Reg. Act 1860) Dated – 25/09/1997
FCRA Detail	:	Registration No. 347990024 Dated – 01 April 2004
Income Permanent Account No. (PAN)	:	AAA7P7999K
Tax Deduction Account No. (TAN)	:	MRTP03413E
12AA Registration of Income Tax	:	CIT/Hld/12AA/22/2003-04/PAVS/03-04/1780, Dated:14/01/2004
80G Registration of Income Tax	:	CIT (E) /LKO/80G/2016-17/109/1859/7522, Dated: 08/11/2016

Name & Address of Auditor – Mr. M.C. Pandey
M.C. Pandey & Company
Narayan Niwas, Cinema Line
Pithoragarh (Uttarakhand)

Major programs and achievements in year 2019-20

The following programs/projects were conducted by the organization in year 2019-20

1. Targeted Intervention Program by USACS & NACO
2. Equine Welfare Program by Brooke Hospital for Animal -India
3. Hans Jaldhara Project by The Hans Foundation
4. (Solid Liquid & Waste Management (SLWM) Program)

The organization is putting efforts for spreading awareness as well as improving the opportunities of employment for the community through the above mentioned programs. Brief description of the programs conducted by the organization during the year is given below-

वर्ष 2019-20 के मुख्य कार्य एवं उपलब्धियां

वर्ष 2019-20 में संस्था द्वारा निम्न कार्यक्रम/परियोजनाएं संचालित किये गये –

1. लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम (एचआईवी/एड्स)।
2. अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम ।
3. हंस जलधारा परियोजना।
4. ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यक्रम ।

उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था द्वारा लोगों में जागरूकता के प्रसार के साथ–साथ रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के प्रयास किये। वर्ष के दौरान संस्था द्वारा किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है –

Targeted Intervention Program by USACS & NACO :

The Targeted Intervention Program funded by Uttrakhand State AIDS Control Society (USACS) and National AIDS Control Society (NACO) was conducted for the Labor Migrants on generating awareness on HIV/AIDS in Pithoragarh in the month of January 2010. The objective of the program is to disseminate information and prevention of HIV/AIDS, TB and Sexually Transmitted Diseases. The organization is currently working with 10000 migrants under The Targeted Intervention Program 15 S.T.I health camps are being conducted each month in different places. Free testing and medicines are provided under the supervision of doctors during these health camps.

Two Nukkad nataks are conducted each month at pre determined places in which actors and the program staff disseminates information in an entertaining way on HIV/AIDS, STI, TB, and other diseases. Advocacy with key stake holder meetings are conducted each month with the administration and other stake holders on the frame work and to discuss the issues concerning the migrants.

लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम (एच.आई.वी./एड्स) :

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा प्रायोजित लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम के तहत मजदूर प्रवासियों के मध्य एचआईवी/एड्स की जागरूकता हेतु पिथौरागढ़ शहर में कार्यक्रम का संचालन संस्था द्वारा माह जनवरी 2010 से किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रवास पर आये प्रवासियों को एचआईवी/एड्स, टी.बी. एवं यौन जनित रोगों की जानकारी व रोकथाम के बारे में जागरूक करना है। संस्था द्वारा वर्तमान में 10000 प्रवासियों के मध्य लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा प्रत्येक माह 15 एस.टी.आइ. स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जाता है, जिसमें प्रशिक्षित डॉक्टर द्वारा प्रवासियों की निःशुल्क जाँच कर औषधि वितरण की जाती है।

कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा प्रत्येक माह नुक्कड़ नाटकों का आयोजन निर्धारित स्थलों पर किया जाता है, जिसमें नाट्य कलाकारों एवं कार्यक्रम स्टाफ द्वारा एचआईवी/एड्स, यौन जनित संक्रमण, टी.बी. एवं अन्य सामान्य विमारियों के बारे में रोचकपूर्ण तरीके से जानकारी प्रदान की जाती है। प्रशासन व अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने व प्रवाशियों के मुद्दों पर चर्चा के लिये संस्था द्वारा प्रत्येक माह जन वकालत बैठकों का आयोजन भी किया जाता है।

संस्था द्वारा लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2019–2020 में किये गये कार्य
Activities done under Targeted Intervention program in year 2019-20

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या
1	आयोजित स्वास्थ्य शिविरों की संख्या (number of STI Health Camps organized)	162
2	स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित प्रवाशियों की संख्या Number of migrants present at the health camps	6001
3	जन वकालत एवं समन्वय बैठक Number of Advocacy & Coordination Meetings held)	12
4	नुक्कड़ नाटक (Number of street Play/Nukked Natak)	18
5	जनसमूह समारोह (Number of Target Grup Congregation Events held)	8
6	आइ.सी.टी.सी. एवं सी.वी.टी. में एच.आइ.वी. जॉच (Number of HIV tests done at ICTC and CVT)	2334
7	स्टेक होल्डर्स बैठक (Number of Stake Holders Meetings conducted)	77

कार्यक्रम के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविर

Health camp organized under the program

विश्व एड्स दिवश का आयोजन

Observation of World AIDS Day

कार्यक्रम के तहत आयोजित जन वकालत एवं समन्वय बैठक

Advocacy and coordination meetings held under the program

लक्ष्य समूह को एचआईवी, टी.बी. आदि की जानकारी देते संस्था कार्मिक

Organizational staff providing information on HIV & TB to the targeted group

Equine Welfare Program by Brooke Hospital for Animals –India :

The organization is running the Equine Welfare Program funded by **Brooke Hospital for Animals** since April 2012 at Bageshwar. The program is being implemented in three blocks Bageshwar, Kapkot and Garun for the welfare of equine animals (mule, donkey, horses). The program is being implemented with the help of 10 staff members. A total of 1198 owners of these animals have been given services for their 5000 for local and migrant equine animals in the year 2019-20. The owners of the animals have ample opportunity of work as the area is hilly and has heterogeneous geographical environment due to which these animals are known to be a good source of income generation. Reema and Kanda areas in Bageshwar are known for its creta excavation which takes place for 8 months each year. These animals are used to carry excavated creta from the excavation ground to the road. The organization is provided support from the Animal Husbandry Department regarding their treatment. The veterinarians and the livestock extension officers in the State are always in support for the program from time to time.

Equine Welfare Program's Vision

To eradicate the pain of these working equine animals

अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम :

संस्था द्वारा **ब्रुक हॉस्पिटल फॉर एनीमल (इंडिया)** के सहयोग से माह अप्रैल 2012 से जनपद बागेश्वर में अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन जनपद के तीनों विकास खण्ड क्रमशः बागेश्वर, कपकोट एवं गरूड़ में अश्व प्रजाति के पशुओं (घोड़ा, खच्चर, गधा) के कल्याण के लिए किया जा रहा है । कार्यक्रम के संचालन हेतु संस्था के पास 10 कार्यकर्ताओं का स्टाफ है। वर्ष 2019-20 में जनपद के तीनों विकास खण्ड में संस्था द्वारा 1198 पशुमालिकों के कुल 5000 अश्व प्रजाति के पशुओं (स्थानीय एवं प्रवाशी) को कार्यक्रम के तहत सेवा प्रदान की गयी। पहाड़ी क्षेत्र एवं विषम भौगोलिक परिवेश होने के कारण जनपद में पशुमालिकों को कार्य की कमी नहीं रहती है जिस कारण आमदनी का एक अच्छा साधन यह पशु माना जाता है। विकास खण्ड बागेश्वर के रीमा व काण्डा क्षेत्र में खडिया खदान होने के कारण वर्ष में लगभग 8 माह खडिया ढोने का कार्य (खदान स्थल से मोटर मार्ग तक) भी इस पशु से किया जाता है। संस्था द्वारा जनपद बागेश्वर में स्थित पशुपालन विभाग से भी कार्यक्रम के तहत अश्व उपचार हेतु सहयोग लिया जाता रहता है, जिसके लिए जनपद में कार्यरत सभी पशुचिकित्साधिकारी एवं पशुधन प्रसार अधिकारियों द्वारा समय–समय पर सहयोग दिया जाता रहता है।

अश्व प्रजाति कल्याण कार्यक्रम का मुख्य विजन

काम करने वाले अश्वप्रजाति के पशुओं का दुखः दर्द दूर करना।

Equine Welfare Program's main objectives

Following are the 5 main objectives of the program

- Relieving equine animals from hunger and thirst
- Releasing equine animals from uncomfortable circumstances
- Relieving equine animals from pain, wound and disease
- To provide equine animals freedom to exhibit their normal behavior
- To help equine animals get rid of fear and stress

Activities conducted under the Equine Welfare Program by the organization

- Collecting baseline data from animals and their owners.
- Collecting information relating to the village through PRA and other activities
- Identifying equine friends and L.H.P
- Informing equine animal owners about the diseases, their symptoms and prevention
- Providing first aid and emergency treatment to the animals
- Proving the owners with first aid kits and train them in providing proper first aid
- Creating Equine Welfare Groups (EWG) and to inspire them towards activities done for equine animal's welfare
- Motivate EWG to work in coordination for the welfare of equine animals
- Training equine animal owner's on proper and quality shoeing of equine animals
- Disseminating information to equine animal friends on first aid, symptoms of diseases and its prevention

अश्व प्रजाति कल्याण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

कार्यक्रम के मुख्य 5 उद्देश्य निम्नानुसार हैं :

- अश्व प्रजाति के पशुओं को भूख एवं प्यास से मुक्ति दिलाना।
- अश्व प्रजाति के पशुओं को असुविधाजनक स्थिति से मुक्ति दिलाना।
- अश्व प्रजाति के पशुओं को दर्द, जख्म, एवं बीमारी से मुक्ति दिलाना।
- अश्व प्रजाति के पशुओं को सामान्य व्यवहार प्रदर्शित करने की आजादी।
- अश्व प्रजाति के पशुओं को भय व तनाव से मुक्ति दिलाना।

अश्व कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत किये जा रहे कार्य

- पशु व पशु मालिकों का बेस लाइन डाटा एकत्रीकरण।
- पी.आर.ए. व अन्य गतिविधियों के द्वारा गाँव से सम्बन्धित जानकारी एकत्र करना।
- अश्व मित्रों एवं एल.एच.पी. का चयन।
- पशु मालिकों को अश्वप्रजाति में होने वाली बीमारियों के कारण, लक्षण व बचाव की जानकारी देना।
- पशुओं को प्राथमिक उपचार व इमरजैन्सी उपचार देना।
- पशु मालिकों को प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध कराना एवं उन्हें प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण देना।
- पशु मालिकों का अश्व कल्याण समूह (EWG) बनाना तथा समूह को अश्व कल्याण की गतिविधियों हेतु प्रेरित करना।
- अश्व कल्याण समूह को सामूहिक प्रयास हेतु प्रेरित करना।
- पशु मालिकों को अच्छी व गुणवत्तायुक्त नालबन्दी का प्रशिक्षण देना।
- अश्व मित्रों को अश्व प्रजाति के प्राथमिक उपचार, रखरखाव व बीमारियों के लक्षण व उन से बचाव की जानकारी देना।

संस्था द्वारा अश्व कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2019-20 में किये गये कार्य

Activities done under Equine Welfare Program in year 2019-20

क्र.सं. S.No	गतिविधि का नाम Name of activities	संख्या Number
1	पशुओं को दी गयी आकस्मिक चिकित्सा सुविधा (Emergency health services given to animals)	62
2	एल.इ.ओ. प्रशिक्षण (Livestock Extension Officer Training)	33
3	अश्वमित्र प्रशिक्षण (Trainings for equine friends)	05
4	पशु टीकाकरण (Number of TT Vaccination administered)	3476
5	पशुधन बीमा योजना के तहत बीमित पशु (Number of insured animals under pashudhan insurance scheme)	379
6	स्वस्थ्य अश्व प्रतियोगिता (Number healthy equine animal competitions held)	12
7	जनपदीय अश्वमित्र समारोह (Number of State equine friend's celebration)	01
8	प्राथमिक चिकित्सा किट (Number of first aid kits distributed)	74
9	पी.डब्लू.एन.ए. (Participatory Welfare Need Assessment done)	233
10	समिति बैठक (Number of committee meetings held)	04
11	पशुपालन विभाग के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर (Health camps organized with support of animal husbandry department)	35
12	नालबन्दी प्रशिक्षिण शिविर (Farriery Training Camps)	36

Equine welfare celebration under the project in year 2019-20
कार्यक्रम के तहत आयोजित अश्व कल्याण समारोह वर्ष 2019–20

Educational tour with the representatives of Donkey Sanctuary, Nepal
Donkey Sanctuary Nepal के प्रतिनिधियों का संस्था में शैक्षिक भ्रमण

Health camp organized with support of Animal Husbandry Department
पशुपालन विभाग के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर

Horseshoeing training given by trained Ferrier
नालबन्दी का प्रशिक्षण देते प्रशिक्षित नालबन्द

World Animal day organized with support from Animal Husbandry Department
संस्था एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विश्व पशु दिवश

Veterinary doctor giving information on up keep of animals on Women's day
महिला दिवश पर पशुओं के रख–रखाव पर जानकारी देते पशुचिकित्सक

Hans Jaldhara Project Funded by The Hans Foundation :

Drinking water scheme has been established by the organization with the support of The Hans Foundation in October 2016 at Garur and Kapkot at Bageshwar in the identified villages in cooperation with the community. The program is running with an agreement with the users to invest 10% of the expense and 90% will be provided from the Hans Foundation. The details of the constructions done under the drinking water scheme have been recorded in the register. The scheme has been handed over to the Gram Panchayat under the supervision of Gram Panchayat Secretary and Gram Pradhan

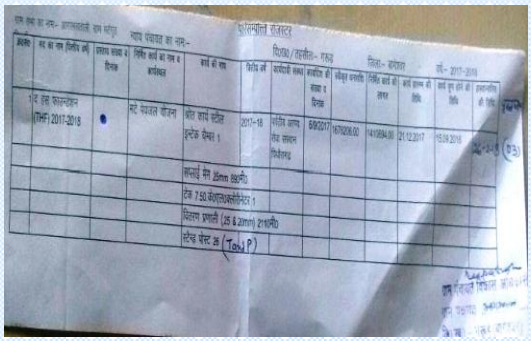

हंस जलधारा परियोजना :

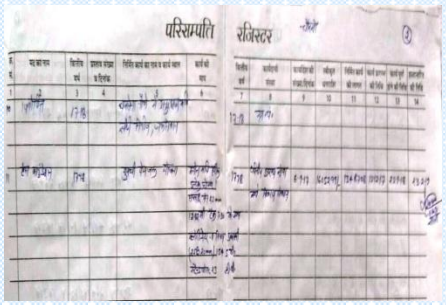

संस्था द्वारा द् हंस फाउन्डेशन नई दिल्ली के सहयोग से माह अक्टूबर 2016 से जनपद बागेश्वर के विकास खण्ड गरूड़ एवं कपकोट की चयनित ग्राम पंचायतों में हंस जलधारा परियोजना का संचालन जनसहभागिता (परियोजना लागत की 10 प्रतिशत धनराशि उपभोक्ताओं के माध्यम से एवं 90 प्रतिशत धनराशि द् हंस फाउन्डेशन के द्वारा वहन की गयी) के आधार पर करते हुए पेयजल योजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। और समस्त निर्मित संरचनाओं का पूर्ण विवरण संबन्धित ग्राम पंचायतों के परिसम्पति रजीस्टर में दर्ज करते हुए ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधान की उपस्थिति में योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तान्तरित किया गया।

Solid Liquid & Waste Management (SLWM) Programme :

The organization is implementing Solid Liquid & Waste Management (SLWM) Program in support with the District **Project Management Unit (Swajal)** in 2 Gram Panchayats of Garun (Panya & Devnai) and 8 Gram Panchayats of Bageshwar (Naranyanguth, Banjhiroti, Baneganv, Bhandariganv, Kimoli, Kande, Naugavn, Nadharmajila). A Village Health and Sanitation Committee have been formed in each Gram Panchayat under the supervision of the Gram Pradhan. Activities like drain construction with support of the community and individual level, soak pit construction, organic and inorganic bin, garbage separation center, etc were done with the support of the organization.

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यक्रम :

संस्था द्वारा **जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई (स्वजल)** के सहयोग से माह सितम्बर 2018 से जनपद बागेश्वर के

विकास खण्ड बागेश्वर की 8 (नारायणगूँठ, बांजझिरौटी, बनेगाँव, भण्डारीगाँव, किमोली, काण्डे, नौगाँव 2, नाघरमाजिला) एवं गरूड़ की 2 (पंया एवं देवनाई) ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है और इन्हीं समितियों के माध्यम से कार्यक्रम के तहत निर्धारित कार्यों जैसे सामुदायिक स्तर पर नाली निर्माण, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक सोक्ता गड्डों का निर्माण, सामुदायिक स्तर पर जैविक–अजैविक कचरे हेतु कूड़ेदानों का निर्माण, वर्मी खाद गड्डे एवं कचरा पृथकीकरण केन्द्र आदि का निर्माण कार्य संस्था के सहयोग से किया जा रहा है।